बाल मज़दूरी मिटे वहां - पूरी हो शिक्षा जहां

उत्तर प्रदेश सरकार

गुमशुदा बिट्टू की घर-वापसी

हैलो !

मैं बिट्टू आप सब को एक कहानी सुनाता हूं! मैं अपने घर में सबसे बड़ा हूँ। मेरे पिता जी बचपन में ही गुजर गये थे, मेरी मां मजदूरी करके किसी तरह मुझे और मेरी दो छोटी बहनों को पालती है। मैं गांव के सरकारी स्कूल में कक्षा 8 में पढ़ता हूं। और शाम को स्कूल से आने के बाद घर के काम-काज में हाथ बटाता हूं। मेरे दो अच्छे दोस्त हैं - राजू और छुटकी। मैं रोज शाम को जब भी समय मिलता है उनके साथ खेलता भी हूं।

अचानक एक दिन...

कुछ हुआ...

आइये जरा देखते हैं क्या हुआ?

यह कहानी सिर्फ मेरी ही नहीं बल्कि उन सब बच्चों की है जिनका बचपन कभी कभी खो जाता है। आइये जरा पढ़िये, देखिये और सोचिये...

इस कहानी के पात्र

बिट्टू – कहानी का मुख्य पात्र

मुनिया – बिट्टू की मां

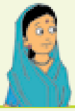
मौसी – मुनिया की दीदी

रीना – मौसी की बेटी

मास्टर जी – गांव के सरकारी स्कूल के प्रधानाध्यापक

प्रधान जी – ग्राम प्रधान

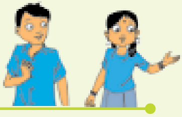
राजू और छुटकी – बिट्टू के दोस्त

ठेकेदार – गांव का ठेकेदार

पुलिस अंकल – इंस्पेक्टर

परिचय

बिट्टू के पिता नहीं हैं। मां, मुनिया मजदूरी कर किसी तरह बिट्टू और उसके छोटे भाई-बहनों को पाल रही है। बिट्टू स्कूल जाता था और मां के कामों में हाथ भी बटाता था। एक दिन गांव में खबर फैल गई कि बिट्टू गायब हो गया है। खबर राजू और छुटकी ने फैलाई। खबर अफवाह नहीं सच थी।

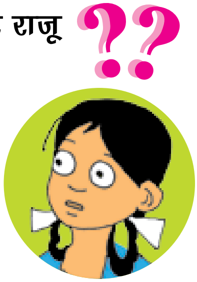

कक्षा का दृश्य – राजू, छुटकी और मास्टर जी

बिट्टू का घर – मास्टर जी, प्रधान जी, मुनिया बहन, मौसी और बिट्टू के दोस्त

मैं और क्या करती? मैं मजबूर थी...
मजबूरी तो हम सब गरीबों की होती है; पर पढ़ाई भी तो कोई चीज है। अरे, खर्च-पानी के लिये तेरा थोड़ा हाथ मैं ही बंटा देती, एक बार बोलती तो।
हां आप सही कह रही हैं; स्कूल में फीस भी नहीं देनी पड़ती, ड्रेस, खाना और किताबें भी मुफ्त मिलती है!
अरे पर ये तो बताओ कि कौन-सा ठेकेदार है वह?
गांव के किनारे डाकखाने के पास है उसका घर। वह दिन भर बिट्टू से घर का सारा काम कराता है और कहता है कि बिट्टू अब उसी के पास रहेगा।
अरे, यह तो वही आदमी है जिसकी पहले भी शिकायत हो चुकी है। वह तो बच्चों की तस्करी करने के जुर्म में पहले भी गिरफ्तार हो चुका है। तुमने बिट्टू को वहां काम पर क्यों भेजा?
उसने हजार रुपये दिये थे और कहा कि बिट्टू अब एक साल तक वहीं काम करेगा और उसके बाद वह शहर में उसे किसी सेठ के यहां काम पर लगा देगा।
मैं आज जब उसके यहां गई तो उसने कहा कि वह हमारे बिट्टू को घर नहीं आने देगा।
हम लोग अभी जाकर उस ठेकेदार की खबर लेते हैं।

ठेकेदार का घर – मास्टर जी, प्रधान जी और ठेकेदार

घर के अंदर का दृश्य – बिट्टू के हाथ में झाड़ू है। वह आंगन की सफाई कर रहा है।

(तभी पुलिस घटना स्थल पर पहुंचती है।)

बिट्टू, मास्टर जी और प्रधान जी बाहर निकलते हैं। साथ ही पुलिस अंकल ठेकेदार को गर्दन से पकड़े बाहर निकालते हैं।

घर पर – मुनिया, बिट्टू, बिट्टू की मौसी और मौसी की बेटी रीना

Concept and Design: New Concept Information Systems Pvt. Ltd., New Delhi

Department of Labour
Government of Uttar Pradesh
Lucknow

Supported by
unicef
unite for children